Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 43, गुरुवार, 08 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मुजफ्फरनगर : पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश मोनी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। मुजफ्फरनगर जिले के खतौली में मंगलवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से एक शातिर इनामी बदमाश घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान 25000 के इनामी मोनी उर्फ मोहिद्दीन निवासी अन्ति के रूप में हुई है। मोनी अपने साथियों के साथ अलकनंदा और भैंसी के बीच से एक युवक से मोटरसाइकिल लूटकर भाग रहा था। इसी बीच पुलिस ने उसे चारों ओर से घेर लिया। पुलिस से बचने के लिए मोनी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से मोनी घायल हो गया। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से लूटी गई मोटरसाइकिल, रिट्ज कार और एक देशी तमंचा बरामद किया है। बता दें कि मोनी पर दिल्ली-एनसीआर में 25 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। फ्लिहाल, वह दिल्ली के कई थानों एवं खतौली से वांटेड चल रहा था। खतौली पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह को स्वाइन फ्लू नहीं, अपोलो अस्पताल की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह स्वाइन फ्लू से ग्रस्त नहीं है। सोमवार दोपहर अपोलो अस्पताल में उनकी एच1एन1 वायरस की नेगेटिव रिपोर्ट आई है। जिसमें उन्हें स्वाइन फ्लू नहीं है।रविवार को उनको राजस्थान के सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वाइन फ्लू ग्रस्त बता दिया था। दरअसल, कल्याण सिंह अपना उपचार अपोलो अस्पताल में करवाते हैं। इसलिए वे फ्लू की जांच और उपचार कराने सोमवार को दिल्ली पहुंचे। यहां जब स्वाइन फ्लू की रिपोर्ट नेगेटिव आई। इसके बाद राजस्थान के राजभवन से एक बयान भी जारी किया, जिसमें राज्यपाल कल्याण सिंह के पूर्ण स्वस्थ्य होने की पुष्टि की है। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि कल्याण सिंह को स्वाइन फ्लू नहीं है। लेकिन वायरल और संक्रमण के कुछ चिकित्सीय जांच कराई हैं। उनकी शेष रिपोर्ट आना बाकी है।

गाजियाबाद में बाइक लूटकर भाग रहे बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़, सिपाही घायल

ट्रांस हिडन (एजेंसी)। सोमवार शाम इंदिरापुरम में बाइक लूटकर भाग रहे दो बदमाशों और पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में दो गोलियां लगी हैं। जबकि एक सिपाही के हाथ में गोली लगने से वह घायल हुआ है। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। विजय नगर निवासी हर्षित भारद्वाज सोमवार शाम 3:30 बजे किसी काम से इंदिरापुरम में कनावनी पुलिया के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें गनप्वाइंट पर रोककर बाइक लूटने का प्रयास किया। हर्षित ने विरोध किया इसी दौरान आसपास भीड़ जमा हो गई। इससे घबराकर बदमाश हिंडन नहर रोड पर अपनी बाइक से भागने लगे। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। थोड़ी ही देर में पुलिस ने बदमाशों को हिंडन नहर रोड पर पकड़ने का प्रयास किया। दोनों ओर से हुई फायरिंग में एक सिपाही अखिलेश के हाथ में गोली लगी है। जबकि शहीद नगर निवासी बदमाश मोहसिन के पैर में दो गोलियां लगी हैं। मोहसिन का साथी दादरी निवासी आमिर भी पकड़ा गया है। पुलिस ने घायल बदमाश तथा सिपाही को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए बदमाशों का आपराधिक इतिहास देखा जा रहा है।

किसके आदेश पर चल रहे स्पा सेंटर : विपक्ष

नई दिल्ली। स्थायी समिति की बैठक में मंगलवार को दक्षिणी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में चल रहे अनधिकृत स्पा सेंटरों एवं हुक्का बार का मुद्दा उठा। विपक्ष ने सवाल किया कि यह स्पा सेंटर किसके आदेश पर चल रहे हैं। जबकि नगर निगम के एक्ट में स्पा सेंटरों को लाइसेंस देने का कोई प्रावधान ही नहीं है और हुक्का बार पर उच्चतम न्यायालय ने पहले ही रोक लगा रखी है।

»» कैबिनेट नोट को कई विभागों ने नहीं दी अनुमति

दिल्ली सरकार अब घर पहुंचाएगी राशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक में मंगलवार दोपहर सामान्य प्रशासन विभाग ने सीसीटीवी कैमरे लगा दिए। एक सप्ताह पूर्व हुए मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगाने से सरकार के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने आपत्ति जताई थी व इसके रिकार्ड का फुटेज मांग लिया था लेकिन आज सामान्य प्रशासन विभाग ने कैमरे लगवा दिया। वित्त व कानून विभाग ने सस्ते राशन के पैकेट पहुंचाने की योजना पर जताई असहमति फूड सिक्योरिटी मामले में निर्णय के पूर्व केन्द्र सरकार से लेनी होगी अनुमति प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) व्यवस्था है।

प्रभावी इसलिए पैकेट व्यवस्था की जरूरत नहीं : वित्त विभाग कानून व वित्त विभाग की असहमति को नकारा खाद्य मंत्री ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय पर लगी मुहर दिल्ली सराकार द्वारा करीब बीस लाख लोगों तक जन वितरण पण्राली (पीडीएस) के अंतर्गत चावल व आटा के पैकेट घर तक पहुंचाने के मामले में भारी पेंच फंस गया है। वित्त व कानून विभाग सहित कई विभागों ने इस योजना को लागू करने की अनुमति नहीं दी है। इस योजना के लिए बने कैबिनेट नोट पर वित्त व कानून विभाग ने असहमति जता दी। फिर कैबिनेट की बैठक में खाद्य मंत्री इमरान हुसैन ने कानूनी सलाहों को दरकिनार कर दिया। विभागीय अनुशंसा को ओवररूल करने के बाद मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को पास कर दिया। लिहाजा मंत्रिमंडल के निर्णय को उपराज्यपाल से अनुमति मिलने में कठिनाई हो सकती है। कानून विभाग ने साफ कर दिया कि फूड सिक्योरिटी केन्द्र सरकार का विषय है। फूड सिक्योरिटी विधेयक संसद द्वारा पास किया गया है।

दिल्ली केन्द्र शासित राज्य है जहां फूड सिक्योरिटी नियमों में परिवर्तन करने के पूर्व केन्द्र सरकार की अनुमति अनिवार्य है। यानि अगर दिल्ली सरकार घरों तक राशन के पैकेट भिजवाना चाहती है तो प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार से मुहर लगवानी होगी। वित्त विभाग ने घर तक सस्ते राशन के पैकेट पहुंचाने की योजना को खारिज करते हुए कहा प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) सुदृढ़ पण्राली है। इसलिए पैकेट डिलिवरी व्यवस्था की जरूरत ही नहीं है। वित्त के अलावा योजना विभाग ने भी असहमति जता दी है। विभागीय असहमति के बावजूद मंत्रिमंडल ने इस मसौदे को मंजूरी दे दी है। अब मंत्रिमंडल के निर्णय को उपराज्यपाल की अनुमति के लिए भेजा जाएगा जहां कानून व वित्त विभाग की असहमति के कारण इस पर एलजी से सहमति मिलना मुश्किल लग रहा है। उपराज्यपाल को कानून विभाग की अनुशंसा पर विचार करना होगा कि फूड सिक्योरिटी मामले में नियम में परिवर्तन लागू करने के पूर्व केन्द्र की अनुमति अनिवार्य है। राजधानी के राशन कार्ड धारकों को सार्वजनिक वितरण पण्राली (पीडीएस) के तहत बंद पैकेट में चावल, आटा व अन्य राशन सामग्री घर तक पहुंचाई जाएगी।

इस निर्णय पर मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मुहर लगा दी गई। मंत्रीमंडल द्वारा चावल आटा आदि पैकेट के जरिए घर तक पहुंचाने के निर्णय के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैं उपराज्यपाल से आग्रह करता हूं कि इस निर्णय पर जल्द अपनी अनुमति दे दें, अधिकारियों द्वारा अंग्रेजी में लिखी टिप्पणी पर न ध्यान दें। यह गरीबों से जुड़ा मामला है। सिसोदिया ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में पीडीएस की दुकानों के जरिए लाभार्थियों को मिलने वाला राशन बंद पैकेटों में मुहैया कराने का फैसला लिया गया है। पैकेट की डिलीवरी का काम निजी कंपनी को सौंपा जाएगा। एक महीने में इसके लिए निविदा आमंत्रित की जाएगी। सिसोदिया ने कहा कि मंत्रिमंडल से मंजूरी मिल जाने के बाद अब इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल अनिल बैजल के पास स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। उपराज्यपाल की स्वीकृति मिल जाने के बाद डिलीवरी का काम निजी कंपनी को सौंपने के लिए खुली निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी। इसके पीछे मकसद डिलीवरी सिस्टम में पूरी पारदर्शिता लाने का है, जिससे कि राशन लाभार्थियों को सही गुणवत्ता का सामन मिल सके और भ्रष्टाचार को समाप्त किया जा सके। इससे लाभार्थियों को समय और संसाधन दोनों की बचत होगी।

सिसोदिया ने कहा कि निहित स्वार्थी तत्वों ने इस प्रस्ताव के कैबिनेट नोट में रोड़ा अटकाने की कोशिश की। सिसोदिया ने कहा कि राशन डीलर की दुकान बंद रहने पर उपभोक्ताओं को परेशानी होती है। अच्छी गुणवत्ता का सामान नहीं दिए जाने की शिकायत आती है। केजरीवाल और सिसोदिया ने मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों पर आरोप लगाया था कि वह राशन माफिया के दबाव में काम कर रहे हैं।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला धरा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाना जनकपुरी पुलिस ने शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त लवलीन शर्मा (23) के तौर पर हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच रही है। पुलिस के मुताबिक थाना जनकपुरी पुलिस को जनकपुरी निवासी पीड़ित संजय ने शिकायत दी कि एक व्यक्ति मंत्रालय में नौकरी लगवाने के नाम पर उससे हजारों रु पए ले चुका है। पीड़ित ने बताया कि वह ग्रेजुएट है और बेरोजगार है। पिछले वर्ष नवम्बर में उसके व्हाट्सएप पर मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि जॉब इन मिनिस्ट्री एडमिन डाटा ऑपरेटर, साथ ही वेतन 28 हजार से 32 हजार तक लिखा हुआ था। उक्त नंबर फोन करने पर उसने अपना नाम लवलीन शर्मा बताया और कागजात के लिए दो हजार रपए लिए। उसके बाद वह उससे मिलने डिस्ट्रिक सेंटर आया, जहां ठग ने पीड़ित को आश्वासन दिया कि वह उसकी नौकरी लगवा देगा। पीड़ित ने बताया कि ठग ने नौकरी दिलाने के नाम पर उससे लगभग 70 हजार रपए खाते में डलवा लिए। रु पए आने के बाद गत 12 दिसम्बर को ठग ने व्हाट्सएप्प के जारिए पीड़ित को गृह मंत्रालय का आईडी कार्ड भेजा और छह जनवरी को व्हाट्सएप्प के जरिए नियुक्ति पत्र भेज दिया। पीड़ित के मुताबिक चार मार्च को ठग ने फोन कर कहा कि उसका काम हो गया है।

जमीन के विवाद में चाचा-चाची की गोली मारकर हत्या

नोएडा (एजेंसी)। दादरी कोतवाली क्षेत्र के चिटहरा गांव में मंगलवार को दिनदहाड़े एक युवक ने बदले की आग में चाचा-चाची की गोली मारकर हत्या कर दी। करीब दो वर्ष पूर्व आरोपी के भाई की हत्या कर दी गई थी। दोनों पक्षों के बीच एक 100 गज के प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा था। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।चिटहरा गांव के रहने वाले वेदराम और हेतराम दोनों सगे भाई थे। इनके एक भाई की शादी नहीं हुई है जिसके हिस्से पर अपना-अपना कब्जा करने को लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर वर्ष 2015 में वेदराम के बेटे अनुज ने हेतराम के बेटे साहिब सिंह की हत्या कर दी थी। हत्या के आरोप में अनुज जेल में बंद है। साहिब की मौत के बाद खूनी रंजिश शुरू हो गई। इसके बाद वेदराम गांव छोड़कर लोनी में जाकर बस गया था। मंगलवार को साहिब की हत्या के मामले में फैसले को लेकर गांव में पंचायत थी जिसमें वेदराम और उनकी पत्नी नत्थो पंचायत में शामिल होने आए थे। पंचायत में सहमति नहीं बनने पर वेदराम पत्नी के साथ कार में सवार होकर लोनी के लिए निकले थे। घर से निकलते ही भतीजे विक्रम ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर वेदराम और नत्थो पर हमला कर दिया। दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस मामले में वेदराम के बेटे संदीप ने आरोपी विक्रम और उसके दोस्त रोहित व अंकित के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है।

दोनों गांव पर करीब 75 लाख रुपये बिजली बिल की बकाया धनराशि है। वहीं एनपीसीएल ने ऐसे 12 अन्य गांवों को भी चिन्हित किया है।

बिल न भरने पर एनपीसीएल ने दो गांवों की बिजली काटी

नोएडा। यूपीपीसीएल के बाद नोएडा पावर कंपनी (एनपीसीएल) ने भी बकाएदारों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार की रात कंपनी ने तालड़ा और दाउद पुर गांव की बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। दोनों गांव पर करीब 75 लाख रुपये बिजली बिल की बकाया धनराशि है। वहीं एनपीसीएल ने ऐसे 12 अन्य गांवों को भी चिन्हित किया है। उनकी आपूर्ति भी बंद की जाएगी। एनपीसीएल के जीएम सारनाथ गांगुली ने बताया कि दाउद पुर गांव में 78 उपभोक्ता हैं, जबकि बाकी ग्रामीण चोरी से बिजली का प्रयोग कर रहे हैं। 78 उपभोक्ताओं में से कुछ ही बिल का भुगतान कर रहे हैं। बाकी पर कंपनी का 25.11 लाख रुपये बकाया है। फरवरी तक यह बकाया धनराशि है। बकाएदारों में 50 प्रतिशत ऐसे उपभोक्ता है, जिन्होंने आज तक बिजली बिल जमा नहीं किया है। बकाया बिल होने के कारण सोमवार की रात गांव में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। वहीं तालड़ा गांव में 111 उपभोक्ता है। उन पर 49.87 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया है। इन उपभोक्ताओं ने भी लंबे समय से बिल जमा नहीं कराया है। जीएम ने बताया कि 90 प्रतिशत भुगतान होने के बाद ही दोनों गांव की बिजली आपूर्ति शुरू की जाएगी। भुगतान करने वाले भी परेशानदाउद पुर गांव में कुल 78 उपभोक्ता है। इनमें से पांच उपभोक्ता बिजली बिल का समय पर भुगतान कर रहे हैं। इसी तरह तालड़ा गांव में 111 में से 8 उपभोक्ता समय पर अपना बिजली बिल जमा कर रहे हैं, लेकिन बाकी उपभोक्ताओं की लापरवाही के कारण इनको भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यूपीपीसीएल ने भी काटी थी दो गांव की बिजली यूपीपीसीएल का बकाएदारों के खिलाफ अभियान चल रहा है। अभियान के तहत पिछले माह यूपीपीसीएल ने दनकौर क्षेत्र के तीन गांवों की बिजली आपूर्ति बंद कर दी थी। इनमें भट्ठा, पारसौल और गुनपुरा गांव शामिल है। इन पर 3.48 करोड़ रुपये बकाया था। आपूर्ति बंद होने के विरोध में ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया था। धरने के बाद यूपीपीसीएल को गांवों की बिजली जोड़नी पड़ी है।

दसवीं की बोर्ड परीक्षा में हिन्दी का पर्चा रहा आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) परीक्षा में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की शुरुआत भी खुशनुमा रही। बोर्ड परीक्षा के पहले दिन दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की अतिरिक्त विषयों की परीक्षा हुई थी, वहीं दूसरे मुख्य विषयों में से पहला पेपर हिंदी का हुआ जोकि बेहद आसान और सीधे सपाट सवालों वाला था। इससे पहले सोमवार को 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों का पहला पेपर अंग्रेजी का हुआ था जोकि बेहद आसान था। पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की हिंदी शिक्षिका मनीषा ने बताया कि हिन्दी का पेपर बीते साल की तुलना में आसान था।

व्यावहारिक खंड व काव्य खंड काफ ी सरल थे। केवल गद्य खंड में कुछ प्रश्न अप्रत्यक्ष तरीके पर पूछे गये थे। पेपर में महानगरीय जीवन और पवरे को लेकर निबंध आया था। पेपर में हस्तकला और पर्यावरण संबंधी विज्ञापन बनाने को लेकर भी प्रश्न पूछा गया था। कुल पेपर 80 अंकों का था। माउंट आबू पब्लिक स्कूल रोहिणी सेक्टर-5 में हिंदी अध्यापिका सुमति शर्मा ने बताया कि प्रश्नपत्र का पठन और व्याकरण भाग बच्चों के स्तर के अनुरूप था। वहीं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखने को कहे गये थे, जिससे कि छात्रों को इन प्रश्नों का जवाब लिखने में काफी समय लगा। शर्मा ने कहा कि कुल मिलाकर पेपर बच्चों के स्तर के अनुसार सामान्य था और सेटों के आधार पर सभी प्रश्न समान रूप से दिये गये थे।

यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल प्रीत विहार परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने वाली छात्रा रिया श्रीवास्तव ने बताया कि जो तैयारी कराई गई थी, उसी में से प्रश्न पूछे गये थे। इसके साथ ही परीक्षार्थी यश, अमन और समय सहगल आदि ने भी कहा कि पेपर आसान आया था।

बीस अयोग्य घोषित आप विधायकों का वेतन भुगतान रोका विस सचिवालय ने

नई दिल्ली। विस सचिवालय ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के अयोग्य घोषित किए गए 20 विधायकों का वेतन भुगतान रोक दिया है। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने यह जानकारी दी। इन विधायकों को लाभ के पद के मामले में चुनाव आयोग की सिफ ारिश पर राष्ट्रपति द्वारा हाल ही में विधानसभा सदस्य के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपनी विधानसभा सदस्यता गंवानी पड़ी थी। गोयल ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा अयोग्य ठहराये गए 20 विधायकों का वेतन रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व विधायकों का फरवरी माह का वेतन जारी नहीं किया गया है।

इस बीच सूत्रों ने बताया कि विधानसभा सचिवालय ने इन्हें विधायक के रूप में मिल रही अन्य सुविधाएं भी रोक दी हैं।

दिल्ली में प्रत्येक विधायक को लगभग 90 हजार रपए प्रतिमाह वेतन एवं भत्ता मिलता है। अयोग्य घोषित किए गए विधायकों ने चुनाव आयोग की सिफ ारिश को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित कर लिया है। इससे पहले उच्च न्यायालय ने 24 जनवरी को इन विधायकों को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने की अधिसूचना पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। हालांकि अदालत ने चुनाव आयोग को विधानसभा की खाली हुयी 20 सीटों पर उपचुनाव की तारीखें घोषित करने जैसी अग्रिम कार्रवाई करने से रोक दिया था।

दक्षिणी दिल्ली में स्पा सेंटर व हुक्का बार के विरुद्ध सीलिंग अभियान

नई दिल्ली। मॉनिटरिंग कमेटी ने मंगलवार को दक्षिणी दिल्ली में चल रहे स्पा सेंटर एवं हुक्का बार के विरुद्ध अभियान चलाया। अमर कालोनी में कई हुक्का बार एवं स्पा सेंटर सील किए गए। मॉनिटरिंग कमेटी के निर्देश पर नगर निगम के दस्ते ने दक्षिणी, पूर्वी एवं उत्तरी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में कुल 119 संपत्तियां सील कीं। सेंट्रल जोन स्थित सर्वप्रिय विहार कालोनी इलाके में भी हुक्का बार सील किए गए। इसमें उत्तरी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में सील की गई 38 व पूर्वी दिल्ली की 32 संपत्तियां भी शामिल हैं। मॉनिटरिंग कमेटी के निर्देश पर नगर निगम का दस्ता अमर कालोनी पहुंचा और सीलिंग की कार्रवाई शुरू की। अमर कालोनी के सर्वप्रिय विहार में चल रहे स्पा सेंटर, पार्लर, सैलून एवं हुक्का बार सील किए गए। कुल 16 संपत्तियां सील कर दी गई।

»» इमरजेंसी समेत सभी सेवाओं को ठप करने की चेतावनी

डीडीयू के रेजिडेंट डाक्टर आज से हड़ताल पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम तौर पर सरकार अगर किसी मामले में कोई कदम उठाती है तो उसे नजीर मान कर बाद में होने वाले वैसे ही मामलों में उसी तरह के कदम उठाए जाते हैं, लेकिन दिल्ली सरकार के स्वास्य विभाग में ऐसा नहीं होता।

यही वजह है कि डॉक्टरों से होने वाली मारपीट की हर घटना के बाद डॉक्टरों को एफआईआर दर्ज कराने के लिए हड़ताल का सहारा लेना पड़ता है। ताजा मामला पश्चिमी दिल्ली स्थित पं. दीन दयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज (डीडीयू) का है, जहां रविवार सुबह हुई मारपीट के मामले में एफआईआर अब तक दर्ज नहीं की गई। नतीजतन रेजिडेंट्स डॉक्टरों को बुधवार से हड़ताल करनी पड़ रही है।

एमएस को थमाई चेतावनी भरी चिट्ठी :

मंगलवार को अस्पताल के चिकित्सा निदेशक को सौंपे अपने पत्र में अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने बताया है कि रविवार तड़के करीब 3 बजे अस्पताल के मेडिकल वार्ड नंबर 10 में मरीज के तिमारदारों ने डॉ. अशरफूल के साथ मारपीट की थी।

जिसके बाद डॉक्टरों ने आरोपी तिमारदार को पकड़ कर पुलिस के हवाले भी कर दिया।

इसके बाद भी अभी तक न तो एफ आईआर ही दर्ज हुई है और न ही आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

इससे नाराज डॉक्टरों ने बुधवार से अस्पताल की इमरजेंसी समेत सभी सेवाओं का ठप करने की चेतावनी दे दी है। इस बाबत अस्पताल के डीएमस डा. एच एन सिंह ने दावा किया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सरकार को इस मामले में सूचित कर दिया गया है।

हड़ताल से कोई हल नहीं निकलने वाला है। मरीजों को दिक्कतें नहीं होने दी जाएगी।

डॉक्टरों की लंबे समय से मांग :

डॉक्टरों की लंबे समय से मांग है कि अस्तपाल में उनके साथ होने वाली ऐसी किसी भी घटना की एफआईआर अस्पताल के द्वारा दर्ज कराई जाए, साथ ही अस्पताल में सुरक्षा के इंतजाम कड़े किए जाएं।

बता दें कि फरवरी के आखिरी सप्ताह में ही लोक नायक अस्पताल में भी इसी बात को लेकर तीन दिनों तक हड़ताल चली थी जिसमें स्वास्य विभाग ने अस्पताल द्वारा एफआईआर कराने की मांग को मान लिया था।

इसके एक सप्ताह के अंदर ही एक बार फिर विभाग अपने ही फैसले से पलटता दिख रहा है।

कठोर वचन बोलने से कठोर बात सुननी पड़ेगी। चोट करने पर चोट सहनी पड़ेगी। रुलाने से रोना पड़ेगा -तैलंग स्वामी

नेताओं पर भ्रष्टाचार

लग रहा है कि भाजपा कांग्रेस के बड़े नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों में हाथ डालने का मन बना चुकी है। जिस तरह कार्ति चिदम्बरम के बाद पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम को लपेटे में लेने की कोशिश की गई है, उससे साफ है कि आने वाले समय में उनके गिरेबान तक जांच की आंच पहुंचाने की कोशिश होगी। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बाजाब्ता संवाददाता सम्मेलन में जिस तरह पी. चिदम्बरम के काल में आई सोने का आयात वाली 80:20 योजना के तहत सात कपंनियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है, वह केवल राजनीतिक बयानवाजी नहीं हो सकती। यह योजना चालू खाते का घाटा कम करने के नाम पर लाई गई थी, जिसमें सोना आयात करने वाली कंपनियों के लिए 20 प्रतिशत जेवर के रूप में निर्यात करना आवश्यक था। आरोप यह है कि अगस्त 2013 में जब यह योजना लाई गई तो इसमें केवल सरकारी कंपनियों को सोने का आयात की इजाजत दी गई थी, जबकि 16 मई 2014 को जब आम चुनाव की मतगणना चल रही थी, उस समय चिदम्बरम ने बतौर वित्त मंत्री सात निजी कंपनियों को इस योजना में लाभ देने का आदेश दिया था, जिनमें गीतांजलि और फायर स्टार शामिल थीं। अगर इस आरोप में दम है जैसा दिखता है तो फिर यकीन मानिए चिदम्बरम पिता-पुत्र दोनों के बुरे दिन आ चुके हैं। स्वाभाविक है कि कांग्रेस इसे बदले की कार्रवाई कह रही है, किंतु इससे जांच को तो नहीं रोका जा सकता है। आखिर इन कंपनियों को इस योजना का लाभ किस आधार पर दिया गया? इन कंपनियों ने 20 प्रतिशत जेवर निर्यात भी नहीं किया। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में भी इस योजना में धांधली और सरकारी खजाने को चूना लगाने की बात शामिल है। देश चाहता है कि नरेन्द्र मोदी सरकार भ्रष्टाचार संबंधी मामलों में कठोर कार्रवाई करे। अपने करीब चार वर्ष के शासनकाल में मोदी सरकार ने शीर्ष स्तर के भ्रष्टाचार संबंधी मामलों पर वैसा चोट नहीं किया है जैसी उससे उम्मीद थी। इससे देश में निराशा का वातावरण भी है। जाहिर है, अब उसे कार्रवाई करके देश को प्रमाणित करना होगा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध जिस शून्य सहिष्णुता का वह दावा करती थी उस पर खरी उतर रही है। संबंधित एजेंसियों को छानबीन का जिम्मा दे और नियत समय में इसका सच सामने लाए। ऐसा नहीं किया गया तो माना जाएगा कि सरकार केवल आरोप लगाती है और कार्रवाई नहीं करती। यह इस सरकार के खिलाफ जाएगा।

छात्रों के सर्वागीण विकास

किसी भी देश का मेरुदंड होता है। इसकी आधारशिला पर ही देश की भावी पीढ़ी की उन्नति या अवनति तय होती है। शिक्षा का हमारा अतीत बेहद गौरवशाली रहा है। लेकिन अंग्रेजों के शासनकाल में शिक्षा का स्तर महज नौकरी पाने और ज्ञान की क्षमता को कुंद कर दिया गया। 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई गई और 1992 में इसमें संशोधन किया गया। अब 25 साल बाद फिर से देश में शैक्षणिक वातावरण में बदलाव को लेकर कवायद जोरों पर है। मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर की मानें तो छात्रों के सर्वागीण विकास के लिए कक्षा 1 से 12वीं तक के पाठ्यक्रमों में सुधार के लिए सुझाव मांगे गए हैं। पाठ्यक्रम में सुधार वक्त की जरूरत है। लेकिन इसे तर्कसंगत, युक्तिसंगत और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए कई स्तरों पर काम करने की आवश्यकता है। हालांकि वर्तमान सरकार इस दिशा में फिक्रमंद है और इसके अच्छे और सुखद परिणाम की उम्मीद हर किसी को है। पिछले महीने ही जावड़ेकर ने एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में बदलाव का ऐलान किया था और एनसीईआरटी को संशोधित पाठ्यक्रम पर काम करने के भी दिशा-निर्देश दिए गए थे। पाठ्यक्रम को बाजार की मांग और कौशल के अनुरूप करने की महती आवश्यकता है। ज्ञानार्जन के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिल सके, ऐसे कोर्स और पढ़ाई से ही भविष्य को साधा और सुधारा जा सकता है। करीब 10 साल पहले एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में बदलाव हुआ था। सिर्फ किताबी ज्ञान बढ़ाने से राष्ट्र के विकास को मजबूती और तेजी नहीं मिल सकती है। नि:संदेह शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव को लेकर मोदी सरकार की ईमानदार सोच सराहनीय है। लेकिन सिर्फ शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रम में बदलाव से चीजें नहीं बदलने वाली। इसके लिए शिक्षकों के आचार-विचार को भी संजीदगी से समझने और उसके अनुरूप समाधान तलाशने होंगे। इसके अलावा स्कूल प्रबंधन, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और स्वयंसेवी संस्थाओं की सलाह भी मायने रखेगी। देखना है केंद्र सरकार का शिक्षा क्षेत्र में बदलाव कितना रचनात्मक और सकारात्मक होगा।

सत्संग

''पुरुषैण-प्रकृति

बेहद बुनियादी चीजों को करने, जैसे बिजली जलाने के लिए भी आपको पॉजिटिव व निगेटिव दोनों की जरूरत होती है। भौतिक अस्तित्व की प्रकृति दो ध्रुवों के बीच होती है। इसका यह मतलब नहीं है कि एक ध्रुव दूसरे के खिलाफ है या कोई एक दूसरे से ऊपर है। यह चीज हरेक पर लागू होती है। इस पर बहस करना कि ''पुरुषैण-प्रकृति रचनात्मक है या स्त्रैण-प्रकृति' यह दरअसल आपकी अपनी पहचान से जुड़ा मुद्दा है। अगर आपकी पहचान एक नारी के तौर पर है तो आपको लगता है कि स्त्रैण प्रकृति ही रचनात्मक होती है। अगर आपकी पहचान पुरु ष के तौर पर है तो आपको लगता है कि पुरु षैण ही सबसे बेहतर है। लंबे समय से लोग ऐसा ही सोचते आ रहे हैं। इसी सोच के चलते आप आपस में मतभेद पैदा कर लेते हैं। ये दोनों दो अलग-अलग चीजें न होकर एक ही चीज के दो हिस्से हैं। भौतिक अस्तित्व सिर्फ स्त्री या सिर्फ पुरुष से नहीं हो सकता। इसके लिए दोनों की ही जरूरत होती है। एक बार जब आप भौतिक आयाम से परे चले जाते हैं तो फिर स्त्री या पुरुष होना मायने नहीं रखता। लेकिन अगर आप भौतिक दायरे में हैं, तो पुरुषैण और स्त्रैण का होना जरूरी है। इसके अलावा कोई और रास्ता है ही नहीं। लेकिन हां, आप पुरुषैण को एक आदमी से और स्त्रैण को एक औरत से जोड़ कर न देखें। यह इस तरह से काम नहीं करता। दुनिया में ऐसे कई मर्द हैं, जो महिलाओं की अपेक्षा कहीं अधिक स्त्रैण होने में सक्षम हैं। इसी तरह से कई ऐसी औरतें हैं, जो मदरे से ज्यादा पुरु षैण प्रकृति वाली हैं। तो कोई जरूरी नहीं है कि लिंग-भेद पर आधारित चीजें ही उनमें होने वाले भावों को तय करे। आपकी लिंगगत पहचान सिर्फ आपके भौतिक अस्तित्व तक है, लेकिन इससे यह तय नहीं होता कि आप कितने पुरुषैण या कितने स्त्रैण प्रकृति वाले हैं। यहां तक कि आपके अपने जीवन के सफर में कभी इसमें बदलाव भी हो सकता है। तो इन दोनों के बिना किसी भी चीज की रचना नहीं हो सकती। ये दोनों चीजें कभी भी एक दूसरे की विरोधी नहीं हैं। हां यह बात अलग है कि औरत और मर्द आपस में लड़ सकते हैं। अगर दुनिया में पुरुष नहीं होते तो वे आपस में लड़ लेतीं, इसी तरह से अगर औरतें नहीं होतीं तो पुरुष आपस में लड़ते। यानी लड़ाई स्त्रैण व पुरुषैण को लेकर नहीं है, उन्हें तो किसी-न-किसी से लड़ना ही है।

देश की मुख्यधारा की पार्टिया

त्रिपुरा में वाम मोर्चा और कांग्रेस का ही अस्तित्व था, जो देश की मुख्यधारा की पार्टियां हैं। यानी मुख्यधारा के वामपक्षीय मध्यमार्गी पार्टियों का स्थान तेजी से भाजपा लेती जा रही है। शायद यह एहसास ही उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव के साथ बहुजन समाज पार्टी की मायावती को दो संसदीय उपचुनाव गोरखपुर और फूलपूर में एक मंच पर लाने की फौरी वजह बना। वरना मायावती अभी भी तय नहीं कर पा रही थीं कि सपा के साथ एक पाले में बैठने का क्या औचित्य है?

सतीश पेडणोकर

अगर सरलीकरण करना हो तो कहा जा सकता है कि पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में भगवा रंग खिलने का फौरन असर हिन्दी पट्टी की सियासत पर दिखा। कोई यह दलील दे सकता है कि नगालैंड और मेघालय में तो स्थानीय सियासी समीकरणों और केंद्र में सत्ता और प्रचुर संसाधनों का लाभ भाजपा को मिला लेकिन त्रिपुरा के मामले में शायद यह एक हद तक ही सही है। त्रिपुरा में वाम मोर्चा और कांग्रेस का ही अस्तित्व था, जो देश की मुख्यधारा की पार्टियां हैं। यानी मुख्यधारा के वामपक्षीय मध्यमार्गी पार्टियों का स्थान तेजी से भाजपा लेती जा रही है। शायद यह एहसास ही उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव के साथ बहुजन समाज पार्टी की मायावती को दो संसदीय उपचुनाव गोरखपुर और फूलपूर में एक मंच पर लाने की फौरी वजह बना। वरना मायावती अभी भी तय नहीं कर पा रही थीं कि सपा के साथ एक पाले में बैठने का क्या औचित्य है? हालांकि मायावती ने फौरन यह भी साफ कर दिया कि सपा उम्मीदवारों को यह समर्थन तात्कालिक है और इसका अर्थ यह न लगाया जाए कि यह 2019 के आम चुनाव की पूर्व पीठिका है।

गोरखपुर और इलाहाबाद में बसपा के पार्टी प्रभारियों के बयानों पर गौर करें तो लगता है कि बसपा में भी यह एहसास गहरा रहा है कि इसके बिना कोई चारा नहीं है। यह एहसास बसपा या मायावती को ही नहीं, सभी गैर-भाजपा दलों में जल्दीबाजी का भाव पैदा करता लगता है। मायावती के ऐलान के बाद फौरन अजित सिंह की अगुआई वाले राष्ट्रीय लोकदल ने भी दोनों उपचुनावों में सपा उम्मीदवारों को समर्थन का ऐलान कर दिया है। रालोद का पूर्वी उत्तर प्रदेश में समर्थन सांकेतिक महत्त्व का ही है, मगर इससे सियासी हवा का अंदाजा लगता है। कांग्रेस के उम्मीदवार जरूर दोनों सीटों पर खड़े हैं लेकिन नये समीकरणों में उसकी रणनीति क्या होगी, यह देखना होगा।

गोरखपुर और फूलपुर दोनों संसदीय सीटें मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी और उप मुख्यमंत्री केशवचंद्र मौर्य के इस्तीफे से खाली हुई हैं। इसलिए भाजपा के लिए यह नाक का सवाल भी है। इसी वजह से भाजपा में थोड़ी बेचैनी दिख सकती है। लेकिन अगले साल फिर चुनाव होने हैं। इसलिए ये चुनाव 2019 की तैयारी का हिस्सा ही कहला सकते हैं। वैसे आंकड़ों पर गौर करें तो भाजपा के लिए भी ज्यादा ढीलापन दिखाने की गुंजाइश नहीं है। 2014 के लोक सभा चुनाव में इन दोनों सीटों पर भाजपा को करीब 51 प्रतात वोट मिले थे,जबकि सपा को करीब 23 प्रतिशत और बसपा को करीब 17.5 प्रतिशत वोट मिले थे। यानी दोनों के वोटों में कांग्रेस के करीब आठ प्रतात वोट को भी जोड़ लें तब भी भाजपा ऊपर ही बैठती है। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव का गणित अलग है। दोनों ही सीटों पर पांच विधान सभाओं में से चार सपा या बसपा को बढ़त वाली हैं। यही गणित सपा-बसपा को मिलकर भाजपा को चुनौती देने की उम्मीद जगा रहा है। हालांकि आदित्यनाथ सरकार से लोगों के मोहभंग का अभी वैसा कोई बड़ा संकेत नहीं हैं। केंद्र की सरकार के प्रति नाराजगी तो कई वजहों से दिख सकती है। क्योंकि किसी योजना का खास असर होता नहीं दिख रहा है और लोग महंगाई, रोजगार की कमी, अर्थव्यवस्था में मंदी वगैरह से परेशान हैं। इसका असर हाल में राजस्थान और मध्य प्रदेश के उपचुनाव में दिखा भी। इसलिए कुछ लोगों का अनुमान है कि पूर्वोत्तर के नतीजे भले माहौल बनाएं और भाजपा में नया उत्साह भर दें लेकिन भाजपा को अपने शासन वाले राज्यों में लोगों की नाराजगी से दो-चार होना पड़ेगा। जैसा कि हाल के गुजरात विधानसभा चुनाव में दिखा भी। वहां भाजपा किसी तरह जीत तो गई लेकिन जश्न मनाने का मौका कांग्रेस के हाथ लगा था। यह समझ भी मायावती को बाकी दलों से गठजोड़ कायम करने की ओर ले जा रहा है। उत्तर प्रदेश ही नहीं, बाकी राज्यों में भी भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट करने की कोशिशें तेज हो सकती हैं। मध्य प्रदेश के दो उपचुनाव में इस गणित पर भी चर्चा हुई कि अगर वहां बसपा ने अपने उम्मीदवार उतार दिए होते तो कांग्रेस की जीत का अंतर इतना कम नहीं होता। यानी बसपा के न होने से उसके वोट भाजपा की ओर चले गए। तो, ऐसे गणित लगाए जाने लगे हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने भाषणों में मायावती के घाव कुरेदने के लिए लखनऊ के उस गेस्ट हाउस कांड का जिक्र किया, जो सपा-बसपा के बीच गहरी खाई की तरह बना हुआ है। हालांकि यह भी सही है कि तब से गोमती में काफ ी पानी बह चुका है। सपा का नेतृत्व भी मुलायम सिंह यादव और शिवपाल यादव के हाथ से फिसलकर आखिलेश यादव के हाथ आ गया

है। अखिलेश अपनी ओर से कोई तीखा बयान नहीं देते और हमेशा मायावती को बुआ कहकर संबोधित करते हैं। मायावती के तेवर भी अखिलेश के लिए उतने तल्ख नहीं हैं। लेकिन इस व्यक्तिगत पसंदगी-नापसंदगी से ज्यादा बड़ा वह सामाजिक समीकरण है, जो सपा-बसपा की विभाजक रेखा रहा है। सपा का वोटबैंक मुख्यत: यादव और मुसलमान हैं जबकि बसपा का मुख्य आधार जाटव हैं। यादवों और जाटवों के बीच सामाजिक तनाव ऊंची जातियों के मुकाबले भी ज्यादा ही माना जाता है। इसलिए दोनों को एक पाले में खड़ा करना आसान नहीं है। हालांकि इधर योगी सरकार की एनकाउंटर मुहिम के निशाने पर कथित तौर पर सपा और बसपा समर्थक बताए जाते हैं। इससे भी एक एका का भाव पैदा हुआ है। इसमें दो राय नहीं कि अब 21 राज्यों में परचम लहरा चुकी भाजपा देश में मुख्य दल का स्थान ग्रहण करती जा रही है और अब वह सिर्फ ब्राह्मण, बनिया पार्टी नहीं रही। उसे किसी भी तरह अपने को लचीला बनाने से गुरेज नहीं है, जैसा कि पूर्वोत्तर में उसने ईसाई समूहों की संवेदना को देखते हुए बीफपर लचीला रुख अपना लिया। इसलिए दूसरे मध्यमार्गी दल एक होकर ही उसका मुकाबला कर सकते हैं। यह देखना है कि सपा-बसपा की यह यारी कितने समय तक रहती है। फिलहाल तो सुविधा यह है कि बसपा उपचुनाव लड़ने में यकीन नहीं करती इसलिए समर्थन देने में कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन आम चुनाव में हर क्षेत्र में हित टकराएंगे तो क्या गणित उभरता है, यह देखना होगा। फिर, अगर इस एका के बावजूद गोरखपुर और फूलपुर सपा हार जाती है, तब भी नये सिरे से गणित पर विचार हो सकता है।

चलते चलते

''ऑपरेशन

एंबुलेंस बुलानी पड़ी चचा!-अच्छा! चलने की हालत ही नहीं थी! अस्पताल की एमजेंसी में दारू पीकर खून की होली खेलने वाले मरीज बहुतायत में थे। मैंने संकोच के साथ हड्डियों के नामी डॉक्टर-मित्र यश गुलाटी को फोन मिलाया। उन्होंने उठा लिया, फिर तो सारे काम बनते गए। चार-चार एक्स-रे हुए। फोटो उन्हें वाट्सऐप से भेजे। थोड़ी देर बाद उनका फोन आया, ``ऑपरेशन करना पड़ेगा।

होरी के दिन बगीची पै चौं नायं आयौ?-उसी दिन आपकी बहूरानी फर्श पर फिसलकर गिर पड़ीं। जरा सी देर में बायां पैर सूज गया। एंबुलेंस बुलानी पड़ी चचा!-अच्छा!-चलने की हालत ही नहीं थी! अस्पताल की एमजेंसी में दारू पीकर खून की होली खेलने वाले मरीज बहुतायत में थे। मैंने संकोच के साथ हड्डियों के नामी डॉक्टर-मित्र यश गुलाटी को फोन मिलाया। उन्होंने उठा लिया, फिर तो सारे काम बनते गए। चार-चार एक्स-रे हुए। फोटो उन्हें वाट्सऐप से भेजे। थोड़ी देर बाद उनका फोन आया, ''ऑपरेशन करना पड़ेगा। कई फ्रैक्चर हैं। ऐंकल पर दो जगह से हड्डी टूटी हैं और एक जगह से लिगामेंट टूटा हुआ दिख रहा है।' तो चचा, त्यौहार के दिन भी वे मित्रों को छोड़कर अस्पताल आए। सूजन पटकने के इंतजार के बाद रात के ग्यारह बजे ऑपरेशन शुरू हुआ। अपनी जगह से हटे ऐंकल को वापस बिठाना था। तीन घंटे लगाए ऑपरेशन में। जब बाद के एक्स-रे मैंने देखे, तो चचा, छोटी सी जगह में प्लेट, स्क्रू, रॉड, तार और स्टैपल्स बड़े सलीके से लगाए हुए थे। क्या अद्भुत क्राफ्ट्समैनिशप थी!-पूरी बढ़ईगीरी है गई!-यही उन्होंने कहा, ''पैतीस साल से कारपेंटरी कर रहे हैं।' मैंने पूछा, ''महाराज, शरीर के अंदर इतना बारीक काम कैसे करते हैं?' बोले, ''एक्स-रे के कंट्रोल में करते हैं ना! दोनों तरफ से पैर काट कर औजार चलाए। हाथों से हड्डी के अनुसार छोटे-बड़े स्क्रू लगाते थे, आंखों से एक्स-रे में सामने देखते थे। मैंने आपके लिए कुछ खास नहीं किया, मुझे अपने सारे मरीज घर के लोग जैसे लगते हैं!' खैर जी, आपकी बहूरानी घर आ गई। सेवा कर रहा हूं, लेकिन, मैं किन शब्दों में आभार व्यक्त करूं डॉ. यश गुलाटी का! पद्मश्री से सम्मानित हैं। क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें अपना डॉक्टर नियुक्त किया है। कई सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं। अपने सारे रंगारंग सुख भूलकर उन्होंने रात में तीन बजे तक ऑपरेशन किया। मैं तो मान गया चचा! दोहा सुनिए, ''हर मरीज जिसके लिए, परिवारी जन होय। ऐसे यश का यश कभी, रोक न पाए कोय!'

फोटोग्राफी...

यह फोटो फ्रेंच पॉलिनेशिया द्वीप समूह के ताहिती क्षेत्र का है, जिसे अमेरिकी फोटोग्राफर जुसी गर्जनर ने अपनी टीम के सहयोग से क्लिक किया है। उन्होंने लिखा कि अंडरवॉटर फोटोग्राफी हमेशा ही चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, खासतौर पर तब जब आप समुद्र से बिल्कुल परिचित न हों। यह दृश्य उन्होंने समुद्र की गहराई में जाकर तब क्लिक किया, जब सर्फर ब्लैक थ्रॉन्टन और उनके साथी ने डाइव की थी। ताहिती द्वीप फ्रेंच पॉलिनेशिया में सबसे बड़ा है। वर्तमान में यहां 1.89 लाख लोग रहते हैं। क्रिस्टल क्लीयर पानी के कारण कोरल रीफ ऊपर से ही देखी जा सकती है। ताहिती द्वीप का निर्माण ज्वालामुखी विस्फोट से हुई गतिविधियों के कारण हुआ था। आज इस क्षेत्र में छोटे-छोटे दर्जनों द्वीप हैं। livejournal.com

पेपर लीक की घटना

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की हालिया परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों-उम्मीदवारों का आजिज आकर धरने-प्रदर्शन पर उतर आना और सरकार से प्रकरण से सीबीआई की जांच की मांग मनवा लेने की घटना ने यह तो साबित किया है कि अब छात्रों को यह बर्दाश्त नहीं कि सिस्टम की खामियों का नतीजा वे भुगतें, लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाएं फिर नहीं होंगी-ऐसा आश्वासन कहीं से नहीं मिला है। पर्चा लीक होने का यह सिलसिला हाल के वर्षो में इतना बढ़ा है कि शायद ही कोई प्रतिष्ठित परीक्षा इसकी आंच से बच पाई हो। यूपी-पीसीएस, यूपी कंबाइड प्री-मेडिकल टेस्ट, यूपी-सीपीएमटी, एसएससी, ओएनजीसी और रेलवे भरती बोर्ड की परीक्षाओं के पेपर हाल के कुछ वर्षो में बड़े पैमाने पर लीक हुए हैं। यह भी पता चला है कि पांच-पांच लाख में बिके प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर मुहैया कराए गए और जिन मामलों का खुलासा नहीं हुआ, वहां ऐसे चोर रास्तों से शायद सैकड़ों लोग नौकरी या प्रतिष्ठित कोर्स में दाखिला पा गए। ऐसे में यह सवाल शायद हमेशा की तरह आगे भी बना रहेगा कि क्या कभी हमारी प्रतियोगी परीक्षाएं इस बीमारी से निजात पा सकेंगी? चूंकि ये गोरखधंधे लाख इंतजाम और इसके गिरोह के भंडाफोड़ और धरपकड़ के बाद भी थम नहीं रहे हैं, इसलिए प्रश्न यह पैदा होता है कि इस समस्या की जड़ कहीं और तो नहीं है। ये घपलेबाजी योग्यता का मापदंड तय करने वाली परीक्षा पण्राली की व्यवस्था के लुंजपुंज हो जाने का प्रमाण है। इससे यह भी साबित होता है कि शासक वर्ग पेपर लीक की घटनाओं को बहुत हल्के में लेता है, अन्यथा अब तक इस समस्या का इलाज हो चुका होता। नजदीकी से मुआयना करें तो इन घटनाओं के कुछ मौलिक कारणों का खुलासा होता है। ऐसी ज्यादातर परीक्षाओं में कई बार आठ-दस लाख परीक्षार्थी तक हिस्सा लेते हैं, जबकि इनके जरिये चयनित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या कुछ सौ या कुछ हजार ही होती है। इसका मतलब यह है कि चाहे प्रोफेशनल कोर्स की बात हो या नौकरी-हर जगह स्थिति एक अनार-सौ बीमार वाली है। मांग ज्यादा है, आपूत्तर कम। जहां भी ऐसे हालात पैदा होते हैं, वहां पैसे और अवैध हथकंडों की भूमिका स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कुछ महीने जेल में काटने के बाद ये लोग फिर उसी धंधे में लग जाते हैं। असल में, ऐसे लोगों में हमारे समाज के ही कुछ वे लोग जिम्मेदार हैं, जो पैसे के बल पर अपनी संतानों को नौकरी व सामाजिक प्रतिष्ठा दिलाने के लिए वैध-अवैध- हर हथकंडा अपना लेना चाहते हैं और ऐसा करने में कोई शर्म-झिझक महसूस नहीं करते हैं। यह वर्ग नैतिक रूप से इतना पतित हो चुका है कि उसे इसमें कोई दोष नजर नहीं आता है कि उसने पैसा खिलाकर या तो पर्चा लीक करवा लिया या भारी-भरकम डोनेशन देकर इंजीनियरिंग या मेडिकल कॉलेज की वह सीट खरीद ली, जिस पर कायदे से किसी प्रतिभावान और योग्य उम्मीदवार का हक होना चाहिए था। किसी भी तंत्र या व्यवस्था में चंद पैसे के लिए अपने ईमान से मुंह मोड़ लेने वालों की कमी नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की हो या भरती बोर्डों के जरिये मिलने वाली नौकरी की परीक्षाओं की, बेरोजगारी की दर और जनसंख्या का संतुलित अनुपात बिठाने पर यह समस्या सुलझाई जा सकती है। रोजगार और शिक्षा में -मैं आगे, तुम पीछे या मेरी सैलरी फलाने के वेतन से इतने गुना ज्यादा- यह भाव भी पेपरलीक की समस्या को गहरा करता है। जब तक कथित तौर पर मलाईदार नौकरियों के लिए मारामारी होती रहेगी, पेपर लीक जैसे चोर रास्तों का दरवाजा हमेशा खुला रहेगा। इसलिए दोषियों की धरपकड़ के साथ-साथ समस्या की सही निदान का प्रयास भी करना होगा।

पुरूष ट्रैप निशानेबाजों का विश्वकप में निराशाजनक दिन, नहीं मिला पदक

नयी दिल्ली। भारतीय पुरूष ट्रैप टीम का आज मेक्सिको के गुआदालाजारा में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप में दिन निराशाजक रहा जो एक भी पदक अपने नाम नहीं कर सके लेकिन इसके बावजूद भारत पदक तालिका में तीन स्वर्ण और चार कांस्य से शीर्ष पर बरकरार है। पुरूष ट्रैप स्पर्धा में जोरावर सिंह संधू भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रहे जिन्होंने क्वालीफाइंग में 125 में से 114 अंक बनाये जिससे वह 32वें स्थान पर रहे। केनान चेनाई 107 अंक के स्कोर से 44वें स्थान पर रहे जबकि मानवजीत सिंह संधू अपना क्वालीफाइंग दौर पूरा नहीं कर सके। लक्समबर्ग के लिंडन सोसा ने इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया, इस तरह उन्होंने टूर्नामेंट के चौथे दिन अपने छोटे से देश को पहला विश्व कप पदक दिलाया। भारत की दो टीमें आज मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धा के फाइनल में पहुंची। मानवजीत सिंह संधू और श्रेयसी सिंह भारत की पहली टीम में हैं जबकि केनान चेनाई और सीमा तोमर दूसरी टीम हैं। फाइनल कल होंगे।

पूर्व भारतीय हॉकी कोच रोलेन्ट ओल्टमैंस पाकिस्तान के कोच बने

नयी दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच रोलेन्ट ओल्टमैंस को पाकिस्तान पुरूष हॉकी टीम का कोच नियुक्त किया गया जिसकी घोषणा खुद ओल्टमैंस ने की। ओल्टमैंस के मुताबिक उनका कार्यकाल ढाई साल का होगा। ओल्टमैंस भारतीय हाकी टीम के साथ चार साल के लिए जुड़े थे। वह पहले टीम के हाई परफोर्मेंस निदेशक थे और फिर 2015 से सितंबर 2017 तक टीम के मुख्य कोच रहे, जहां से उन्हें अचानक हटा दिया गया था। ओल्टमैंस ने ट्वीट कर अपने नियुक्ति की जानकारी दी। हालांकि पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन(पीएचएफ) ने अभी आधिकारिक तौर पर इस बारे में कुछ नहीं कहा है। ओल्टमैंस ने कहा, 'आज मैं पीएचएफ के साथ कोच के रूप में ढाई साल के कार्यकाल की समझौते की पुष्टि करता हूं।' ओल्टमैंस दूसरी बार पाकिस्तान टीम के कोच बने है। इससे पहले वह 2003-04 में एथेंस ओलंपिक तक टीम के कोच थे।

आस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज एड कोवान ने संन्यास लिया

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज एड कोवान ने आज पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इस35 वर्षीय खिलाड़ी ने2011 में भारत के साथ बाक्सिंग डे मुकाबले में टेस्ट पदार्पण किया था। उन्होंने 2013 में अपना अंतिम टेस्ट खेला था जिसके बाद से वह टेस्ट नहीं खेले हैं। कोवान ने 18 टेस्ट मैचों में 31-28 की औसत से 1000 से ज्यादा रन बनाये। प्रथम श्रेणी में उनके नाम 10,000 से ज्यादा रन है, जिसमें 25 शतक शामिल है। उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के साथ 2017/18 सत्र के खराब प्रदर्शन के बाद यह फैसला किया। कोवान ने कहा, ''मुझे शुरू से ही यह खेल काफी पंसद था और मैं अब भी इसे काफी पसंद करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''इस समय मैं सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ बचे हुए प्रीमियर क्रिकेट सत्र में और आगे भी खेलना जारी रखूंगा।'

दिल्ली डेयरडेविल्स का कप्तान बनने के बाद गंभीर ने कही यह बात

नई दिल्ली। गौतम गंभीर अब दिल्ली डेयरडेविल्स के कप्तान के रूप में फिर से राज्य में वापसी कर चुके हैं और इस बल्लेबाज को उम्मीद है कि खुशनुमा माहौल उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में अहम भूमिका निभाएगा। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ(डीडीसीए) राज्य चयनकर्ताओं, अधिकारियों ओर कोच के साथ नियमित झगड़े का जिक्र कर मुस्कुराते हुए गंभीर ने कहा कि खुशनुमा माहौल में होना मनोरंजक होगा। पिछले दो वर्षों में मुझे यह नहीं मिला है।

गंभीर ने फ्रेंचाइजी टीम के जर्सी अनावरण के मौके पर कहा कि दिल्ली डेयरडेविल्स का हिस्सा होना अच्छा है और इससे मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बाहर निकल सकता है। यह अच्छा होगा कि मैं अच्छे और खुशनुमा माहौल में खेल पाऊंगा। केकेआर जैसी फ्रेंचाइजी टीम की सफल अगुवाई करने वाले गंभीर का मानना है कि किसी को ग्लेन मैक्सवेल जैसे प्रभावशाली खिलाड़ी की बड़ी ईनामी राशि को ध्यान में नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि खिलाडियों का प्रबंधन इतना मुश्किल भी नहीं है, क्योंकि सिर्फ प्रदर्शन ही उन्हें अंतिम एकादश में बनाए रखेगा और इसकी शुरूआत मुझसे होगी। अंतिम एकादश में खेलने के लिए मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

गंभीर ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि और कभी कभार, यह खर्च की गई राशि की बात नहीं होती, बल्कि यह मैच का रूख बदलने वाले खिलाडियों की बात होती है जिन्हें थोड़ा लंबा समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि वे मैच का रूख बदल सकते हैं। आप उनसे निरंतर होने की उम्मीद नहीं कर सकते, लेकिन आप उनसे तीन या चार मैच जीतने की उम्मीद कर सकते हो। यह पूछने पर कि नई टीम की कप्तानी करना कितना मुश्किल होता है, जिसका चयन उन्होंने नहीं किया हो तो गंभीर ने कहा कि जब मैंने 2011 में केकेआर की कप्तानी संभाली थी, तब भी ऐसा ही था, लेकिन इस टीम में मेरी सलाह ली गई थी। हमारे मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत दुआ ने मुझे और रिकी को एक ही जगह रखा। मुझे इस टीम में अपार संभावनाएं दिखती हैं।

चोटिल टेलर की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 181 रन की पारी से न्यूजीलैंड जीता

कोलंबो (एजेंसी)।

डुनेडिन(न्यूजीलैंड)। चोटिल रॉस टेलर ने दर्द के बावजूद खेलते हुए नाबाद 181 रन की शानदार पारी खेली जिससे न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को चौथे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में पांच विकेट से हराकर सीरीज 2-2 से बराबर की। टेलर जांघ में चोट के कारण अपनी इस पारी के दौरान लंगड़ाकर भी चल रहे थे लेकिन उन्होंने शानदार जज्बा दिखाते हुए अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इंग्लैंड के नौ विकेट पर 335 रन के जवाब में न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 339 रन बनाकर जीत दर्ज की। अब इस सीरीज का फैसला शनिवार को क्राइस्टचर्च में होने वाले मुकाबले से होगा। टेलर का यह 19वां वनडे शतक था, उनकी इस नाबाद पारी में 17 चौके और छह छक्के शामिल थे जिससे न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य तीन गेंद रहते हासिल कर लिया। वह अपनी पारी के दूसरे हिस्से में प्रत्येक शाट के बाद दर्द से करार रहे थे। जब वह मैदान से बाहर आ रहे थे तो उनकी आंखों में आंसू थे और दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजायी। टेलर ने यह भी खुलासा किया कि मेडिकल स्टाफ ने उन्हें दर्द के कारा रिटायर हर्ट होने का विकल्प भी दिया था। टेलर ने पारी के बारे में कहा, ''अभी तक भरोसा नहीं हो रहा। मैं खुश हूं कि मैंने क्रीज पर डटे रहने का फैसला किया।%%

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने टेलर की पारी को 'वनडे की महान पारियों में से एक' करार दिया और कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि वह निर्णायक मुकाबले से पहले फिट हो जाये। टेलर की पारी के सामने इंग्लैंड का शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन भी फीका पड़ गया जिसमें जॉनी बेयरस्टो ने 106 गेंद में 138 रन और जो रूट ने 102 रन की पारी खेली थी। केन विलियम्सन और टेलर ने 84 रन की भागीदारी निभायी, इंग्लैंड के स्टार आल राउंडर बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के कप्तान को 17वें ओवर में 45 रन पर आउट कर दिया। टेलर और टाम लाथम ने इसके बाद मिलकर 187 रन की साझेदारी की। लाथम ने 71 रन बनाये। टेलर को तब चोट लगी जब वह 109 रन पर थे, उन्हें रन आउट से बचने के लिये डाइव करना पड़ा जिससे उनकी जांघ की मांसपेशियों में आया खिंचाव बढ़ गया जिसके कारण वह सीरीज के पिछले मैच में भी नहीं खेल पाये थे। लेकिन उन्होंने बाउंड्री लगाने पर ध्यान लगाया जिससे न्यूजीलैंड को अंतिम 10 ओवर में जीत के लिये 80 रन की दरकार थी। इंग्लैंड ने लाथम और कोलिन डि ग्रैंडहोमे (23) के आउट होने के बाद न्यूजीलैंड की लय धीमी कर दी। अंतिम ओवर में उन्हें जीत के लिये तीन रन चाहिए थे और हेनरी निकोल्स ने

टॉम कुर्रान की गेंद पर छक्का जड़कर जीत सुनिश्चित की। इससे पहले इंग्लैंड ने बेयरस्टो और रूट की मदद से 38वें ओवर तक एक विकेट पर 267 रन बना लिये थे। ।।लेकिन बेयरस्टो के आउट होने के बाद टीम ने 21 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिये। अंत में कुर्रान ने 10 गेंद 22 रन का अहम योगदान दिया। ईश सोढ़ी ने न्यूजीलैंड के लिये 58 रन देकर चार जबकि कोलिन मुनरो और ट्रेंट बोल्ट ने दो दो विकेट प्राप्त किये।

बांग्लादेश से होगा भारत का मुकाबला, निदास ट्रॉफी में बने रहने के लिए जीत जरूरी

कोलंबो (एजेंसी)।

भारत की कम अनुभवी क्रिकेट टीम को श्रीलंका के हाथों शुरूआती मैच में मिली हार से तेजी से उबरना होगा और कल यहां निधास ट्वेंटी20 ट्राफी में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मुकाबले में अपने खेल में सुधार करना होगा। श्रीलंका को पिछले छह महीनों में भारत ने पस्त किया था लेकिन उसने कल कुसाल परेरा की 37 गेंद में 66 रन की पारी की बदौलत शानदार जीत दर्ज की।

घरेलू टीम की इस हैरानी भरी जीत ने टूर्नामेंट को दिलचस्प बना दिया है जिसमें कल तक भारत के दबदबा बनाने की उम्मीद थी। पांच विकेट पर 174 रन के स्कोर का बचाव करने के लिये भारत के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण के पास परेरा की आक्रामकता का कोई जवाब नहीं था। युजवेंद्र चहल अंतिम एकादश के मुख्य गेंदबाज थे, उन्हें भी नहीं बख्खा गया। कप्तान रोहित शर्मा ने हालांकि कहा कि युवा खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने पांच विकेट की हार के बाद कहा, 'हमारे गेंदबाजों ने हर चीज आजमाने की कोशिश की, लेकिन कभी कभार यह ऐसा नहीं होता जैसा आप चाहते हो। मुझे लगा कि हमारे गेंदबाजी लाइन अप काफी अनुभव प्राप्त है। हां, वे नये हैं लेकिन उन्होंने प्रदर्शन दिखाया है। मुझे मैच से पहले काफी भरोसा था।' रोहित के अनुसार भारत खराब शुरूआत से उबरकर ठीक ठाक स्कोर बनाने में सफल रहा, जो सुरेश रैना के साथ सस्ते में पवेलियन लौट गये जिससे टीम ने नौ रन पर दो विकेट खो दिये।

रोहित और धवन कल बांग्लादेश के खिलाफ किस तरह से शुरूआत करते हैं, यह भारत के लिये अहम होगा। वे अंतिम ओवरों में ज्यादा से ज्यादा रन जुटाने का प्रयास करेंगे। रोहित के अंतिम एकादश में शामिल होने की उम्मीद नहीं है लेकिन अक्षर पटेल को चहल के साथ गेंदबाजी का मौका दिया जा सकता है जो टीम के सबसे अनुभवी स्पिनर हैं। प्रतिभाशाली लोकेश राहुल को पहले मैच की अंतिम एकादश में नहीं चुना गया लेकिन सलामी जोड़ी तय है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी का मौका मिलता है या नहीं। वाशिंगटन सुंदर ने श्रीलंका के खिलाफ सात रन प्रति ओवर के इकोनोमी रेट से गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किये और सबसे सफल गेंदबाज रहे। जसप्रीत बुमरा और भुवनेश्वर कुमार को इसी सीरीज में आराम दिया गया है, उनकी अनुपस्थिति में शार्दुल ठाकुर और जयदेव उनादकट को अंतिम ओवरों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। भारत के लिये छोटे प्रारूप में बांग्लादेश का सामना करना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहा है और कल भी कुछ अलग नहीं होगा। महमूदुल्लाह चोटिल शाकिब अल हसन की अनुपस्थिति में टीम की अगुवाई जारी रखेंगे।

टेस्ट, टी20 और वनडे त्रिकोणीय सीरज का फाइनल (सभी श्रीलंका से गंवाने) गंवाने के बाद बांग्लादेश की टीम वापसी के लिये बेताब होगी। सीनियर बल्लेबाज तमीम इकबाल ने कहा कि टीम के लिये यह समय अच्छा नहीं चल रहा लेकिन उन्हें अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है।

आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज वार्नर पर मैच फीस का 75 प्रतिशत जुर्माना

दुबई। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल दो का उल्लंघन करने के लिये उनकी मैच फीस का 75 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और इसके साथ ही उनके खाते में तीन 'डिमैरिट प्वाइंट' जोड़ दिये गये हैं। आईसीसी के जारी बयान के अनुसार वार्नर को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 22-2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है जो कि 'अपने आचरण से खेल को बदनाम' करने से जुड़ा है। आस्ट्रेलियाई उप कप्तान वार्नर और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकाक रविवार को चाय के विश्राम के दौरान ड्रेसिंग रूम के करीब आपस में भिड़ गये थे जो कि सीसीटीवी कैमरे में आ गया था।

आईसीसी ने कहा, ''इसके साथ ही वार्नर के अनुशासनात्मक रिकार्ड में तीन 'डिमैरिट प्वाइंट' भी जोड़ दिये गये हैं। इससे हालांकि उनके दूसरे टेस्ट मैच में खेलने पर असर नहीं पड़ेगा जो पोर्ट एलिजाबेथ में नौ मार्च से खेला जाएगा क्योंकि वार्नर का सितंबर 2016 में संशोधित संहिता के लागू होने के बाद यह पहला अपराध है। लेवल दो का उल्लंघन करने पर खिलाड़ी की 50 से 100 प्रतिशत तक मैच फीस काट दी जाती है तो उसे दो निलंबन अंक मिलते हैं जो तीन या चार 'डिमैरिट प्वाइंट' के बराबर होते हैं। बयान के अनुसार, ''वार्नर ने अपना अपराध माना है और उन्होंने आईसीसी मैच रेफरी जैफ क्रो के फैसले को भी स्वीकार कर लिया है और इसलिए इस मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं है।%% वार्नर पर यह आरोप मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और सुंदरम रवि, तीसरे अंपायर क्रिस गाफनी और चौथे अंपायर अल्लाउद्दीन पालेकर ने लगाये थे। वार्नर के साथ डिकाक की भी इस मामले में रिपोर्ट की गयी है लेकिन उन्होंने अब तक लेवल एक आरोप का जवाब नहीं दिया है जो कि 'अपने आचरण से खेल को बदनाम' करने से जुड़ा है।

पावरप्ले के दौरान ही श्रीलंका ने हमसे मैच छीन लिया : धवन

कोलंबो (एजेंसी)।

भारतीय टीम को पावरप्ले में लचर प्रदर्शन के कारण श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के शुरूआती मैच में हार का मुंह देखना पड़ा और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन भी यही मानते हैं जिन्होंने मेजबानों की जीत का श्रेय शानदार पारी खेलने वाले कुसाल परेरा को दिया। भारत ने शुरूआती मैच पांच विकेट से गंवा दिया जिसमें परेरा ने मेहमान टीम के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ 37 गेंद में 66 रन की पारी खेली।

भारतीय टीम पहले छह ओवर में दो विकेट गंवाकर केवल 40 रन ही बना सकी, उसने दो ओवर में नौ रन पर दो विकेट खो दिये थे। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका ने पावरप्ले में दो विकेट खोकर 75 रन बना लिये जिसमें परेरा ने दूसरे ओवर में शार्दुल ठाकुर पर पांच चौके और एक छक्के से 27 रन जोड़े। धवन ने कहा, 'पहले छह ओवरों में उन्होंने हमसे मैच छीन लिया। छह ओवर के बाद वे इतनी जल्दी जल्दी गेंद को हिट नहीं कर रहे थे। मध्य के ओवरों में ऐसा नहीं था कि उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ एक ओवर में 10 रन जुटा लिये थे। ऐसा इसलिये क्योंकि विकेट थोड़ा धीमा था।'

धवन ने परेरा की तारीफ की जिन्होंने शानदार पारी से दर्शकों को रोमांचित किया जिसमें आधा दर्जन चौके और चार छक्के जड़े थे। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से कुसाल ने उस ओवर में 27 रन बनाये, उससे वे छह ओवरों के बाद 75 रन पर पहुंच गये, इसी ने अंतर पैदा कर दिया।' धवन 49 गेंद में छह चौके और इतने ही छक्के से 90 रन बनाकर भारत के लिये शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने कहा कि शुरू में दो विकेट गंवाना भारी पड़ा।

उन्होंने कहा, 'पहले दो ओवरों में उन्होंने दो विकेट झटक लिये जिससे नुकसान हुआ। हमने अगर ये दो विकेट नहीं गंवाये होते तो हम ज्यादा आक्रामक हो सकते थे। हम सुनिश्चित करना चाहिए था कि हम और ज्यादा विकेट नहीं गवाये और रन भी बनाये।' मैन आफ द मैच परेरा को भी यही लगता है कि श्रीलंका के पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन ने अंतर पैदा किया। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'हमें पहले छह ओवरों में आक्रमण करना था। लक्ष्य 175 रन का था तो हमें कुछ लय की जरूरत थी।'

उन्होंने कहा, 'जब आपको इस तरह की शुरूआत मिलती है तो पारी को आसानी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है, लेकिन ये भी है कि आपको हर मैच में इस तरह की शुरूआत नहीं मिलती। पहले छह ओवरों का मैच पर काफी असर पड़ा।'

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे तोगड़िया

ट्रक ने मारी कार को टक्कर तोगड़िया बोले हत्या की साजिश

सूरत। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। सूरत के कामरेज इलाके में उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी। बता दें कि जनवरी में प्रवीण तोगड़िया अचानक गायब हो गए थे। उस समय तोगड़िया अपने घर से निकलने के करीब 11 घंटे बाद अहमदाबाद के एक इलाके में बेहोश अवस्था में मिले थे। तब उन्होंने कहा था कि मेरे एनकाउंटर की साजिश हो रही है, मेरी आवाज को दबाया जा रहा है। मैं किसी से डर नहीं रहा हूं, लेकिन मुझे डराने की कोशिश हो रही है। तब प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवीण तोगड़िया काफी भावुक हो गए थे। जब उनके गायब होने की खबर उड़ी तो एक तरह से हड़कंप मच गया। उनके समर्थक गुस्से में आ गए थे और कई जगह प्रदर्शन भी किया था। बता दें कि उस समय उन्हें

पुलिस भी तलाश कर रही थी। राजस्थान पुलिस को उनकी तलाश एक पुराने केस के सिलसिले में थी। गंगापुर में प्रवीण तोगड़िया के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इसमें तोगड़िया को कोर्ट के सामने पेश होना था, लेकिन उनकी पेशी नहीं हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने तोगड़िया के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अब सड़क दुर्घटना के बाद तोगड़िया ने कहा है कि उनकी हत्या की साजिश हो रही है। जेड प्लस सुरक्षा होने के बाद भी पुलिस उन्हें एस्कॉर्ट उपलब्ध नहीं करा रही है। प्रवीण ने दावा किया कि उन्होंने पुलिस को अपने रूट के बारे में पहले से ही सूचित कर दिया था। वह राज्य सरकार से अपनी सुरक्षा में लापरवाही के लिए पुलिस की शिकायत करेंगे। तोगड़िया ने बताया कि बुलेटप्रूफ गाड़ी होने की वजह से सभी लोग सुरक्षित बच गए। इससे पहले भी प्रवीण तोगड़िया ने हत्या का डर जताया था।

सूरत मनपा का मेयर्स कप टी-20 क्रिकेट टुर्नामेन्ट-2018 प्रारंभ

सूरत। सूरत महानगरपालिका द्वारा मेयर्स कप टी-20 क्रिकेट टुर्नामेन्ट-2018 का आयोजन 7 मार्च 2018 से 10 मार्च 2018 तक लाल भाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम क्रिकेट ग्राउंड सूरत में किया गया है।

टुर्नामेन्ट में पहले दिन बुधवार को मेयर की टीम और चेनल कैमरामैन की टीम में सुबह 8.00 बजे भिड़ंत हुई। इसके पश्चात् दोपहर को 12.00 बजे प्रेस फोटोग्राफर और रिजीओनल चेनल टीम के बीच मैच खेली गई। आज दूसरे दिन गुरूवार को सुबह 8.00 बजे से न.प्रा.शिक्षण समिति और पत्रकार संघ के बीच जंग होगी, जबकि दोपहर 12.00 बजे मनपा रिपोर्टर टीम और कमिश्नर टीम के बीच मैच होगी। इसी के साथ कल शुक्रवार को सुबह और दोपहर को विजेता टीमों के बीच सेमीफाइनल मैच खेली जाएगी और 10 मार्च को विजेता टीमें फाइनल मैच के लिए मैदान में उतरेंगी। मनपा आयुक्त एम.थेन्नारसन की तरफ से सभी क्रिकेट प्रेमियों से मैच देखने के लिए आग्रह किया गया है।

सरथाणा में चार युवकों ने एक युवक को चाकू मार किया घायल

सूरत। सरथाणा क्षेत्र के अभिषेक आर्केड के कंपाउंड में मंगलवार की देर रात को चार युवकों ने एक युवक पर चाकू और कांच की बोतल से जानलेवा हमला करके गंभीर रूप से घायल करके फरार हो गए। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पतला में भर्ती किया गया है।

घटना के संदर्भ में सरथाणा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सरथाणा में स्थित अभिषेक आर्केड की दूसरी मंजिल पर शिवाई नामक आफिस में ऑनलाइन काम करने वाले हार्दिक भूपतभाई बोधरा (19 वर्ष) काम करके नीचे उतरे थे। उसी दौरान बिल्डिंग के कंपाउंड में राहुल बोरडा (19 वर्ष) तथा उसके साथ अन्य तीन युवकों ने चाकू और कांच की बोतल जैसे घातक हथियार से जानलेवा हमला करके फरार हो गए। हार्दिक को गंभीर हालत में इलाज के लिए डायमंड अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस मामले को दर्ज कर मागें की जांच शुरू की है।

अमरोली में दो और सचिन में एक युवक ने लगाई फांसी

सूरत। शहर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की तीन घटना स्थानीय पुलिस में दर्ज कराई गई है। जिसमें अमरोली विस्तार में दो तथा सचिन में एक युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

अमरोली पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली के गुजरात हाउसिंग बोर्ड गणेशपुरा, घर नं. 1468 गायत्री नगर में रहने वाले निमेष रमेशभाई पटेल (28 वर्ष) ने मंगलवार को किसी अज्ञात कारणों से फांसी पर लटके हुए बेहोशी की हालत में मिले थे। जिनको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले गए। जहां डाक्टरों ने निमेष को मृत घोषित कर दिया।

इसी तरह की एक अन्य घटना में वराछा अब्रामा रोड घर नं. 72 संस्कार रो-हाउस में रहने वाले निकुंज पोपटभाई गोरबिया (25 वर्ष) ने भी किसी कारणों से अपने घर में लगे पंखे के साथ देर शाम को फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

फांसी लगा लेने की तीसरी घटना सचिन पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। जिसके बारे में सचिन पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सचिन के पारडी गांव शिलालेख रेजीडेंसी-278 में रहने वाले 33 वर्षीय महेन्द्र बालसिंह भराडा ने गत रोज किसी कारणों से घर में लगे पंखे के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सचिन पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

पैसे की लालच देकर किशोर के साथ दुष्कृत्य

सूरत। वराछा की कमल पार्क सोसाइटी में रहने वाले एक नर पिशाच ने किशोर को पैसे देने की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद जान से मारने और बदनाम करने की धमकी दी। जिससे उसके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के कमल पार्क सोसाइटी घर नं.115 में रहने वाला राणा जोधाभाई सांखट (40 वर्ष) ने अपने समीप में रहने वाले एक किशोर को पैसा देने का लालच देकर उसके साथ सृष्टि के खिलाफ दुष्कर्म किया। आरोपी ने ऐसा कृत्य करने के बाद किशोर से कहा कि इस बात को किसी से कहा तो समाज में बदनामी होगी। इतना ही नहीं उसने किशोर को जान से भी मारने की धमकी दी। घटना के बारे में किशोर ने परिजनों को बताया तो परिजन वराछा पुलिस में आरोपी राणा सांखट के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच कर रही है।

आज मनपा मनाएगी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

सूरत। सूरत महानगरपालिका द्वारा आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में नारी जनजागृति, एकता और संगठन भावना की ज्योत प्रबल बने इस आशय से समाज के विविध क्षेत्रों में योगदान देनेवाली महिलाओं का सम्म्म्मान समारोह आयोजन आज गुरुवार को सायं 4 बजे गांधी स्मृति भवन, नानपुरा में किया गया है। इस समारोह में पधारने के लिए मनपा आयुक्त ने सभी को आमंत्रित किया है।

कार्यक्रम दौरान प्रमुख के रूप में मेयर अस्मिता शिरोया और मुख्य मेहमान के रूप में राज्य मंत्री किशोर कानाणी के संग सांसद दर्शनाबेन जरदोश, सी.आर. पाटील और प्रभु वसावा उपस्थित रहेंगे। साथ ही अतिथि विशेष के रूप में तमाम विधायक एवं मनपा के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सूरत। स्टार ज्वेलरी, लाल बंगलो के पास, अठवा लाईन्स द्वारा महिला दिन के उपलक्ष में विभिन्न क्षेत्र में अग्रणी महिलाओं का सम्मान का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में स्टार ज्वैलरी की मालिक नैना बेन, वैशाली बेन और क्रिनबेन द्वारा एंटरप्रेन्योर लेडी नितल शाह, सोशियल वर्कर उषा बहन जाडावाला सहित अलग अलग महिलाओं का सम्मान किया गया। उषा बहन ने कहा कि जब महिला समाज में जरूरत मंद की सेवा के लिए निकलती है तो वह जगत जननी का स्वरूप धारण कर लेती है । नितल शाह ने बताया कि स्त्री गृह कार्य के साथ-साथ समाज में आधुनिकीकरण लाकर समाज के लिए उदाहरण रूप बन सकती हैं। समाज में महिलाओं को प्रेरित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम उदाहरण रूप बन जाते हैं ।

अडाजण में एक्टिवा से गिरकर घायल हुए बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

सूरत। शहर के अडाजण पालनपुर पाटिया का रहने वाला एक बुजुर्ग एक्टिवा लेकर जा रहा था। जो संतुलन बिगड़ने के कारण गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी बुधवार को मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण के पालनपुर पाटिया के पास गोपाल कृष्ण सोसाइटी भूमि काम्पलेक्स में रहने वाले मगन परषोत्तम परमार (68 वर्ष) गत 28 फरवरी को एक्टिवा से जा रहे थे। उसी दौरान हनीपार्क रोड पर उनका संतुलन बिगड़ने से वे रोड पर गिर गए। गंभीर चोट लगने से मगनभाई को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पातल में भर्ती किया गया था। संतुलन बिगड़ने के कारण गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी बुधवार को मौत हो गई। जहां बुधवार को उनकी इलाज के दौरान ही मौत हो गई।

सूरत। सचिन में प्रवीण तोगड़िया ने विश्व हिंदू परिषद सूरत कि और से गौरक्षा एवं गौ सेवा करने के लिए एंबुलेंस गाड़ियों का उद्घाटन किया और साथ ही साथ हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया। 7284072840 नंबर पर लोग अपने आस-पास बीमार गौवंस या गौवंस हो अत्याचार होते देखे तो फोन कर गौवंस की मदद कर सकते है।

सूरत। सचिन पाली ग्राम पंचायत के तालाब से पीली मिट्टी खोदकर ले जाते हुए लोग। लोग आए दिन तालाब से पीली मिट्टी खोदर ले जा रहे है लेकिन किसी भी अधिकारी का इस पर कोई ध्यान नहीं है।

सूरत। सचिन पाली ग्राम पंचायत में अवैध बांधकाम जोर-शोर से चल रहा है। अधिकारियों की नाक के निचे सचिन पाली ग्राम पंचायत में अनेक बांध काम अवैध रुप से धड़ले से चल रहे है। ये बांध काम नगर पालिका के अधिकारियो की कार्यकुशला पर भी सवालीया निशान है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com